तेज रफ्तार कार ट्रक में घुसी, दो छात्रों सहित तीन की मौत

- रामनगरिया इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि हुआ हादसा
- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे से परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था, जिसे 1 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि तेज रफ्तार कार ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में दो छात्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक छात्र लंदन से बीटेक तो दूसरा जयपुर के ही कॉलेज से बीबीए कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे से कार के परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था। घंटेभर की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि डेढ बजे एनआरआई सर्किल पर तेज रफतार से आ रही कार ट्रक से जा भिडी। इस हादसे में कार में अमिष (19) पुत्र राजीव वाधवा निवासी मानसरोवर और वेदांत (19) पुत्र गिरधर आहलूवालिया निवासी पाम कॉलोनी जगतपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलि ने दोनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। जिनका रविवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजनो के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाडी वेदांत की है। वेदांत का कार चालक विकास का शव कार में बुरी तरह से फंसा गया था और एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। विकास के शव को एसएमएस की मोर्चरी में रखवाया गया है। अमीश और वेदांत के परिवार वालों को पुलिस ने रात में ही सूचना दे दी थी। शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया परिजनों को सौंप दिया गया है। विकास सीतापुरा में ही किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर से होते हुए जवाहर सर्किल की तरफ कार जा रही थी। ड्राइवर ट्रक को मोड़ रहा था। इतने में तेज रफ्तार से आ रही कार ट्रक से भिड़ गई। ट्रक में सब्जियां भरी थीं। मृतक वेदांत लंदन से बीटेक कर रहा था, वह छुट्टियों में जयपुर आया था। जबकि अमिष जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में बीबीए का स्टूडेंट था।

पहाड़ों ने ओढ़ी हरियाली की चादर

राजस्थान में मानसून को मेघ मल्हार चरम पर हैं। बारिश के बाद अरावली की पहाड़ियों से झरने बहने लगे हैं। सावन के इस हरियाली भरे मौसम में पहाड़ियों ने भी हरियाली की चादर ओढ़ ली। बारिश के बाद आसमां में धुंध छाये रहने से ऐसा लगने लगा है, जैसे बादल जमी पर उतर रहे हों। जयपुर के नजदीक सामोद की पहाड़ियों का ये दृश्य ऐसा लगता है कि जैसे कुल्लू-मनाली की पहाड़ियां हों।

'हर घर-प्रतिष्ठान तिंरगा वितरण' अभियान का शुभारंभ रविवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। उन्होंने सिटी पैलेस में सीकर रोड व्यापार महासंघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी संस्थाओं एवं नागरिकों को यह पर्व बड़ी धूमधाम से मनाना चाहिए। इस मौके पर सीकर रोड व्यापार महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल और पार्षद सुरेश जांगिड़ मौजूद रहे।

नटवर सिंह के निधन पर संवेदना जताई

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतृप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ की ठगी

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके में रुपए दुगने के नाम पर एक प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दूदू निवासी कमलचंद जैन ने मामला दर्ज करवाया कि रुपए दुगने करने के नाम पर किशनपोल में चार-पांच लोगों ने अलग-अलग कर करीब एक करोड रुपए की राशि उससे ले ली।

प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर 6 माह की गभर्ववती पत्नी को मौत के घाट उतारा

राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में सनसनीखेज वारदात सामने आयी

- आरोपी पति ने परिजनों को गुमराह करके पत्नी के शव को दफना दिया, पुलिस ने जांच शुरू की तो हत्याकांड का पर्दाफाश हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर इलाके में प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर एक युवक ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और परिजनों के साथ मिलकर शव को दफना दिया। शंका होने पर परिजनों ने हत्या का मामला दर्ज करवाया। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की तो सारी परतें खुलकर सामने आ गई। जांच में सामने आया कि महिला ने अपने पति को दूसरी लडकी से बात करने का विरोध किया था। इस पर पति ने अपनी पत्नी की हत्या करके शव को दफना दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शव को कब्र से निकालकर जांच शुरू की तो हत्या की बात सामने आई। इस पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अजहर को गिरफ्तार कर लिया।

सहायक पुलिस आयुक्त आमेर शिवरतन गोदारा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर इलाके में अनम फातिमा की 29 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। महिला 6 महीने की प्रेग्नेंट भी थी। मृतक महिला के पति मोहम्मद अजहर ने परिजनों को गुमराह करके शव को कब्र में दफना दिया था। परिजन मृतका अनम फातिमा की हत्या की वारदात से अनजान थे। परिजनों को लगा कि प्रेग्नेंसी की वजह से मौत हुई है। परिजनों की ओर से पुलिस को सूचना भी नहीं दी गई। महिला के पति के साथ पूरा परिवार शोक का मातम मना रहा था। दफनाने से पहले परिवार के सदस्य ने महिला के गले पर चोट के निशान देख लिए, लेकिन पति मोहम्मद अजहर ने पूरे परिवार को गुमराह कर दिया। परिजनों को शक हुआ कि जिस बेटी से 4 घंटे पहले पूरा परिवार मिलकर आया था। अचानक उसकी तबीयत कैसे खराब हो गई और मौत भी हो गई।

शक की गहराइयों के बीच परिजनों ने जयसिंहपुरा खोर थाने में मुकदमा दर्ज करवा दिया। मामला दर्ज होने के बाद एसडीएम की मौजूदगी में महिला का शव कब्र से खोदकर बाहर निकाला गया। इसके बाद पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के दौरान गला दबाकर हत्या करने का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की तो महिला का पति मोहम्मद अजहर हत्यारा निकला। गत 5 अगस्त को महिला के पिता मुन्ना खान ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इससे पहले परिजन महिला के शव को कब्र में दफन कर चुके थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मृतक महिला के पति अजहर मोहम्मद का एक अन्य महिला के साथ अफेयर चल रहा था। पत्नी ने अपने पति को फोन पर महिला से बात करते हुए सुन लिया था। दोनों के बीच इसी को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान आरोपित ने अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी प्रेगनेंसी से तबीयत खराब होने का ड्रामा करता रहा, लेकिन पुलिस ने कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

डबल शंकर की कावड़ कलश यात्रा में दिखी शिव भक्ति के साथ देश भक्ति की झलक

पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

जयपुर, (का.सं.)। कंधों पर कावड़ लिए भक्तों ने एवं पंचरंगा के रंग में रंगी सर पर कलश धारण किये महिलाओं ने जब एक स्वर में शिव के जयकारे लगाए तो अनायास ही छोटी काशी के रूप में विख्यात जयपुर नगरी भोले के रंग में रंगी दिखी। मौका था श्री डबल शंकर महादेव विकास समिति के तत्वाधान में रविवार को निकाली गई कावड़ व कलश यात्रा का, जिसमें भोले के भक्तों ने गलता व हरिद्वार से लाए गंगा के पवित्र मिश्रित जल से शिव का अभिषेक किया। कावड़ यात्रा में शामिल हर कोई अपने हाथों से बाबा का अभिषेक करने के लिए आतुर दिखा।

गलता तीर्थ से अलसुबह कावड़ में पवित्र जल भर कर रवाना हुए भक्तों का काफिला जैसे ही परकोटा क्षेत्र में पहुंचा तो शहरवासियों ने पलक पावंडे बिछा दिए। आयोजन समिति के संयोजक शरद खण्डेलवाल की अगुवाई में कावड़िये भोले की भक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे थे, उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। भोले के जयकारों व देश भक्ति के जयघोष के साथ कावडिये झूम रहे थे और शिव का जयघोष कर रहे थे। कॉवड यात्रा में सजे धजे ऊंट, घोडे, ढोल-तासे शामिल थे। कावडियों का जगह जगह व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व सर्वसमाज के प्रतिनिधियो ने फूल बरसा कर व आरती उतार कर स्वागत किया।

पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने धारण किया सिर पर मंगल कलश कावड़ यात्रा के साथ जब कलश यात्रा का संगम चौडा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर के बाहर हुआ तो वहां मौजूद हर कोई भक्त भोले के जयघोष पर झूम उठा। चौड़ा रास्ते में पूर्व मंत्री व विधायक कालीचरण सर्राफ, हाथोज धाम के महन्त व हवामहल क्षेत्र के विधायक बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज, अवधेशाचार्य महाराज, विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, चन्द्रमोहन बटवाडा, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष एन.के गुप्ता, प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, कर्मचारी नेता संतोष विजय सहित अन्य गणमान्य ने कावड कलश यात्रा का स्वागत किया व कलश यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व महापौर ज्योति खण्डलेवाल की अगुवाई में पंचरंगं की साडी पहने 1100 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर आगे बढ़ी। ढोल ताशो व डमरू पर जमकर नाचे कावडिये-भक्तो ने केसरिया व तिरंगे ध्वज लहराये। कावड़ व कलश यात्रा के साथ चल रहे कावडियो ने ढोल ताशो व डमरू बजाकर माहौल शिवमय बना दिया । कावड व कलश यात्रा में शामिल भक्तो में कई भक्त भगवा व तिरंगा ध्वज लहराते हुए भोले का जयघोष कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नई दिल्ली में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से मुलाकात की। देवनानी ने माथुर को राज्यपाल बनने की बधाई दी। देवनानी ने माथुर को पुष्प गुच्छ और सम्राट पृथ्वीराज चौहान की तस्वीर भेंट की।

तिरंगा यात्रा का आयोजन

शिवदासपुरा। अगस्त क्रांति के अवसर पर तिरंगा यात्रा समिति सांगानेर द्वारा सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के केम्प कार्यालय से विशाल दोपहर तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। लगभग 500 वाहनों पर एवं खुली जीपों में यात्रा सुबह 8.30 बजे शुरू हुई। जो मानसरोवर मध्यम मार्ग होते हुए रिद्धि सिद्धि चौराहे से गोपालपुरा चौराहे होकर टोंक रोड से होते हुए अम्बेडकर चौराहे से अमर जवान ज्योति स्थल, जन पथ पर पहुँची, यात्रा पर बीच-बीच में पुष्प वर्षा होती रही। सड़क किनारे खड़े लोग जोश में देश भक्ति नारे लगाकर उत्साहित हो रहे थे, एकदम विहंगम एवं विशाल स्वरूप में यात्रा का अद्भुत दृश्य बन गया था। यात्रा के प्रेरणास्त्रोत मेघेन्द्र शर्मा के साथ स्वामी प्रकाश दास महाराज ने यहाँ राष्ट्रभक्ति गीतों से सारे समूह में राष्ट्रप्रेम की ऊर्जा का संचार कर दिया इस वातावरण में युवा, मातृशक्ति एवं आयोजक सभी नृत्य करते हुए झूमने लगे। यात्रा मीडिया संयोजक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकार की व्यवस्थित और दिव्य यात्रा पहली बार सांगानेर विधान सभा से निकली है जो सभी को एकता के सूत्र में बांधकर राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करेगी, इस भव्यता के लिए सभी आयोजक जिनमें कमलेश टाँक, विवेक गोयल, गोपाल शर्मा, गिर्राज शर्मा, अनिल मंगल, नरेंद्र हर्ष, मुकेश काका, सोमेश शर्मा, अतुल गुप्ता, ललित चाँदकोटिया, घनश्याम गुप्ता, अरविंद गुप्ता के डी सिंघल, रिंकू अग्रवाल, जीतू बना एवं दिवाकर मौजूद रहे।

इलेक्ट्रोपैथी को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सी.एम.

- 'बोर्ड के गठन से इलेक्ट्रोपैथी पद्धति को मिलेगी गति'
- बजट घोषणाओं के लिए इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री का आभार और अभिनंदन किया

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र रहा है। इन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन पद्धतियों में इलेक्ट्रोपैथी की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दूरगामी निर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति इलेक्ट्रोपैथी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में 5 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। साथ ही, बजट में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा के सम्बन्ध में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का निरन्तर विस्तार कर रही है। परिवर्तित बजट 2024-25 में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व देते हुए लगभग 27 हजार 660 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जो बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा है। इससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हांगी एवं स्वास्थ्य ढ़ाचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण होगा। शर्मा ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभांवित कर रही हैं।

"बाजे नौबत बाजा, म्हारा डिग्गीपुरी का राजा..."

जयपुर। गुलाबीनगर की फिजा में आज सुबह कल्याण धणी के जयकारे गूंज उठे। मौका था श्री कल्याणजी डिग्गीपुरी लक्खी पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में निकाले जाने वाली श्री डिग्गीपुरी कल्याणजी की 59वीं की लक्खी पैदल यात्रा का। पद यात्रा को संत महंतों व जनप्रतिनिधियों ने चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वरजी मंदिर से केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। यात्रा के संयोजक श्रीजी शर्मा जैसे ही मुख्य ध्वज ताडक़ेश्वर महादेव मंदिर से बाहर लेकर आए तो श्रद्धालुओं ने डिग्गी कल्याणजी के जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान मौसम ने भी श्रद्धालुओं का साथ दिया। बाजे नौबत बाजा महारा डिग्गीपुरी का राजा..., कल्याण धणी को डंका बाज्यों जैसे भजनों की स्वर लहरियां... जयकारे और हजारों श्रद्धालुओं का कारवां आज सुबह डिग्गी कल्याणजी के लिए रवाना हुआ। पदयात्रा गाजे बाजे एवं पूरे लवाजमे के साथ न्यू गेट तक पहुंची।

कुछ पदयात्री भजनों पर थिरकते हुए चल रहे थे तो कुछ कनक दंडवत करते हुए आगे बढ रहे थे। चौडा रास्ता से पदयात्री रामनिवास बाग होते हुए मोतीडूंगरी गणेशजी के दर्शन कर जेएलएन मार्ग, टोंक रोड होते हुए आगे बढ़े। पद यात्रियों को अल्पाहार करा पुण्य कमाने की लिए लोगों में होड लगी रही। श्रद्धालुओं के लिए मार्ग जगह-जगह भंडारे लगाए गए। संस्थाओं के सदस्य हाथों में नाश्ता, फल लेकर पदयात्रियों की मनुहार करते नजर आए।

डिग्गी कल्याणजी की 59वीं लक्खी पदयात्रा रविवार को जयपुर के ताड़केश्वरजी मंदिर से जयकारों के बीच रवाना हुई।

7 तीर्थों के जल से आज होगा 'महाशिवाभिषेक'

जयपुर । सावन के चौथे सोमवार को छोटीकाशी के शिवालयों में एक बार फिर हर-हर महादेव का जयघोष होगा। बोल बम ताडक़ बम के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इसी कड़ी में धार्मिक जागरूकता के प्रसार-प्रसार, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक उन्नित और परंपराओं का संरक्षण के लिए स्वेज फार्म सोडाला के सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में सोमवार, 12 अगस्त को सुबह पांच से दोपहर दो बजे तक मंदिर महंत अवधेश दास महाराज के सान्निध्य में हरिद्वार से लाए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। शनिवार को आयोजक राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पंकज ओझा और गब्बर कटारा ने सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर पोस्टर का विमोचन किया।

गंगाजल के अलावा अन्य पवित्र तीर्थों के जल, दिव्य औषधियों से भी भोलेनाथ महाशिवाभिषेक किया जाएगा। कार्यक्रम सभी भक्त शामिल हो सकेंगे। इसमें भाग लेने वाले किसी भी श्रद्धाल से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सुबह 5 बजे भगवान शिव आरती एवं मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। अभिषेक के दौरान भजनों स्वर लहरियां गूंजती रहेगी। अभिषेक में 7 तीर्थों का जल उपयोग में लिया जाएगा हरिद्वार का गंगाजल, कैलाश मानसरोवर का जल, गंगासागर का जल, रामेस्वरम का जल,नर्मदा का जल, सरयू नदी का जल, पुष्कर का जल शामिल है। नाग केशर प्रियंगु, भांग, शमी पत्र, आकडा, सात प्रकार के रस और गौ दुग्ध धारा से अभिषेक किया जाएगा। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल बड़े टैंकर में भरकर जयपुर लाया जाएगा। जयपुर में गंगाजल का स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया जाएगा। गंगाजल में प्रमुख नदियों एवं सरोवरों का जल मिलाकर अभिषेक किया जाएगा। भक्तों को गंगाजल जल भरा कलश, बेल पत्र और पुष्प उपलब्ध करवाए जाएंगे। जो लोग पवित्र स्थान से कावड़ नहीं ला सकते वे टैंकर से कावड़ में जल भरकर ले जा सकेंगे।